J-3/2041

109/A

नोट – यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग–I

निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 3×10=30

1.''भगवान जी खुश कब हुए हैं ?'' बसंती ने कहा, ''भगवान जी मेरे साथ तो सदा ही मुँह फुलाए रहते हैं, यों!'' बसंती ने गाल फुलाते हुए कहा और कहते ही ठहाका मारकर हँसने लगी, ''ऐंठकर बोलो तो भी नाराज, हँसो तो भी नाराज, पेड़ पर चढ़ो तो भी नाराज, नीचे उतरो तो भी नाराज . . .'' और अपने ही मजाक पर खिलखिलाकर हँसने लगी।

अथवा

2.''घर–घाट क्या होता है, बीबी जी ? जहाँ बैठ जाओ, वही तो घर हो जाता है।'' बसंती ने कहा, फिर तनिक उतेजित होकर बोली, ''यह आप क्या कहती हैं बीबी जी, घर–घाट क्यों नहीं है ? घर भी है, मेरा मर्द भी है, अब बच्चा भी होगा। वह जब लौट आएगा तो मैं फिर से अपने घर में रहने लगूंगी।''

3.खिड़की के पास खड़े मुझे काफी समय हो गया था। मैं एकदम जैसे ख्यालों से निकला और मेरी नजर सीधे लॉन पर पड़ी। उस समय मेरी हैरानी की कोई सीमा न रही जब मैंने देखा कि लॉन में सभी लोग मेरी तरफ कौतूहल भरी नजरों से देख रहे हैं। मैं एकदम पीछे हो गया और मैंने खिड़की पर लगा पर्दा पूरी तरह फैला दिया। मुझे एकदम ध्यान आया कि मैं बाथरूम की तरफ चला था, क्योंकि मैं अपना चेहरा दर्पण में देखना चाहता था।

अथवा

4.जब गांव में रासधारी आए तो उन दिनों मुझे हल्का–हल्का बुखार था। परन्तु मैं बापू से नजरें चुरा कर रासलीला देखने पहुंच गया। उनको नाचते देख कर मेरा मन भी करता कि मैं

Contd —

इनके साथ नाचूं और इनके साथ ही चला जाऊं। मैं हमेशा सोचता कि इसी तरह मेरी सारी जिन्दगी नाचते–गाते ही निकल जाए।

5.पर बताने वालों ने बताया कि गरीब के मुँह पर, छाती, मुट्ठियों और पैरों पर बरफ की हल्की सी चादर चिपक गई थी। मानो दुनिया की बेहयाई ढकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठण्डे कफन का प्रबंध कर दिया था।

अथवा

6."मैं तो कुछ भी नहीं कर रहा हूँ। इस बात को स्वीकार कर लो कि मैं जिन्दगी में फेलियर हूँ, कम्पलीट फेलियर। कुछ नहीं कर सका ! जैसे मेरी जिन्दगी में अब फुलस्टाप लग गया है। अब ऐसे ही रहूँगा। तुम्हारे फादर ने ठीक ही किया। तुम सुखी हो जाओगी। प्यार से बड़ी एक और आग होती है, भूख की, पेट की! वह आग धीरे–धीरे सब कुछ लील लेती है....."

भाग–II

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3×10=30

1.'बसन्ती' उपन्यास की तात्विक समीक्षा करें।

अथवा

2.'बसन्ती' उपन्यास की नायिका की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख करें।

3.'चेहरा और परछाई' उपन्यास के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

अथवा

4.'चेहरा और परछाई' उपन्यास की भाषा शैली पर चर्चा करें।

5.'उसने कहा था' कहानी का सार लिखें।

अथवा

Contd.

6. 'तीसरी कसम' कहानी का मूल भाव स्पष्ट करें।

भाग–III

निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। 4×10=40

1. 'बसंती' उपन्यास की संवाद योजना पर प्रकाश डालें।
2. 'बसंती' उपन्यास के नायक के चरित्र की किन्हीं चार विशेषताओं का उल्लेख करें।
3. 'बसंती' उपन्यास की भाषा पर नोट लिखें।
4. भीष्म साहनी का जीवन परिचय लिखें।
5. चेहरा और परछाई उपन्यास का मूल भाव स्पष्ट करें।
6. अजय शर्मा के जीवन परिचय पर प्रकाश डालें।
7. 'दो बैलों की कथा' कहानी का केन्द्रीय भाव स्पष्ट करें।
8. जयशंकर प्रसाद के जीवन परिचय पर नोट लिखें।
9. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट करें।
10. 'दूसरा शुक्रवार' कहानी के प्रतिपाद्य को स्पष्ट करें।